

## प्रारंभिक परीक्षा

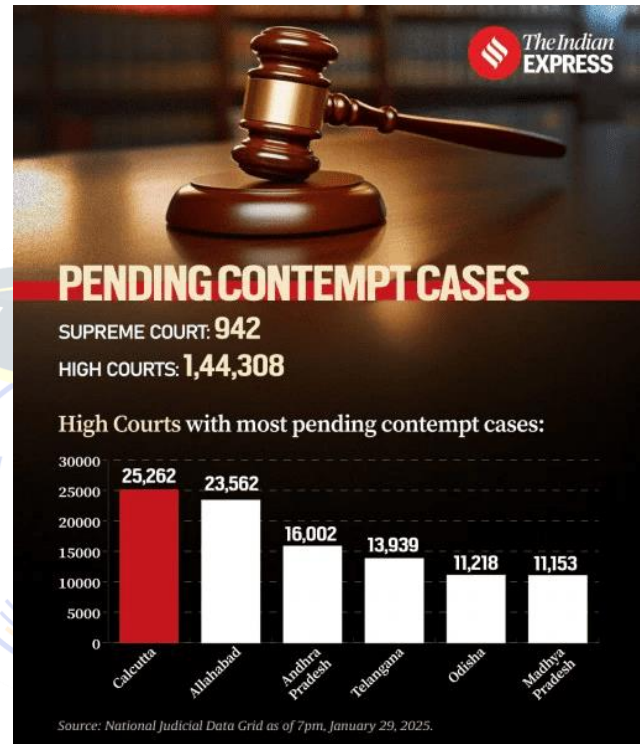
### 1.45 लाख अवमानना मामले लंबित

#### संदर्भ

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों से न्यायिक आदेशों के अनुपालन में सुधार लाने को कहा है ताकि सरकार के खिलाफ लंबित ऐसे मामलों की संख्या में कमी लाई जा सके।

#### न्यायालय की अवमानना के बारे में -

- न्यायालय की अवमानना न्यायिक संस्थाओं को अनुचित हमलों से बचाने और उनके अधिकार को बनाए रखने के लिए एक कानूनी प्रावधान है।
- भारत का संविधान सिविल अवमानना और/या आपराधिक अवमानना को परिभाषित नहीं करता है।
- संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधान:
  - संविधान अनुच्छेद-19(2) के तहत अदालत की अवमानना को शामिल करने के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करता है।
  - अनुच्छेद-129 और 215 सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को स्वयं की अवमानना करने वालों को दंडित करने की शक्ति प्रदान करते हैं।
  - न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971, अवमानना कार्यवाही के लिए वैधानिक आधार प्रदान करता है। इसे एच एन सान्याल समिति द्वारा की गई सिफारिशों पर पारित किया गया था।
- न्यायालय की अवमानना के प्रकार
  - सिविल अवमानना: न्यायालय के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना करना या न्यायालय से की गई प्रतिबद्धता का उल्लंघन करना।
  - आपराधिक अवमानना: इसमें ऐसे कार्य या प्रकाशन शामिल हैं जो न्यायालयों के अधिकार को बदनाम करते हैं, न्यायिक कार्यवाही में हस्तक्षेप करते हैं, या न्याय में बाधा डालते हैं।
- अपवाद
  - न्यायिक कार्यवाही पर निष्पक्ष एवं वस्तुनिष्ठ रिपोर्टिंग अवमानना नहीं मानी जाएगी।
  - न्यायिक आदेशों की, निर्णय के बाद, रचनात्मक आलोचना की अनुमति है।
- अवमानना के लिए सजा
  - 1971 के अधिनियम के तहत दंड: अवमानना के लिए अधिकतम छह महीने का कारावास, 2,000 रुपये का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।
- 2006 का संशोधन:
  - अवमानना मामलों में "सत्य और सद्भावना" को वैध बचाव के रूप में पेश किया गया।



- दण्ड केवल तभी लागू होता है जब अवमाननापूर्ण कृत्य न्याय की प्रक्रिया को महत्वपूर्ण रूप से बाधित करता है।

### यूपीएससी पीवाईक्यू

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2022)

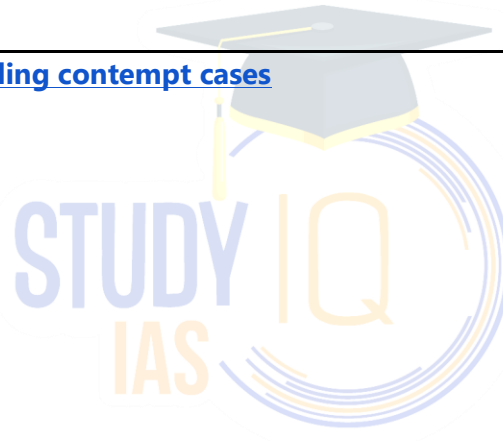
1. एचएन सान्याल समिति की रिपोर्ट के अनुसरण में न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971 पारित किया गया।
2. भारत का संविधान सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को स्वयं की अवमानना के लिए दंडित करने का अधिकार देता है।
3. भारत का संविधान सिविल अवमानना और आपराधिक अवमानना को परिभाषित करता है।
4. भारत में, न्यायालय की अवमानना पर कानून बनाने की शक्ति संसद को प्राप्त है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) 1, 2 और 4
- (c) केवल 3 और 4
- (d) केवल 3

उत्तर: (b)

स्रोत: [Indian Express - Pending contempt cases](#)



## एक्सिओम-4 मिशन(Axiom-4 Mission)

### संदर्भ

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के आगामी एक्सिओम-4 मिशन के पायलट होंगे।

### एक्सिओम 4 मिशन के बारे में -

- यह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए चौथा निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है।
- **मिशन की अवधि:** 14 दिन।
- **प्रक्षेपण स्थल:** फ्लोरिडा में कैनेडी स्पेस सेंटर
- **प्रक्षेपण यान:** स्पेसएक्स का फाल्कन 9 रॉकेट।
- यह मिशन **NASA के सहयोग से आयोजित किया गया है।**

### मिशन के उद्देश्य -

- **वैज्ञानिक अनुसंधान:** चिकित्सा, पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में सूक्ष्मगुरुत्व प्रयोगों का संचालन करना।
- **वाणिज्यिक विकास:** एक्सिओम स्पेस अपने भावी वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन के लिए प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं का परीक्षण कर रहा है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** इसमें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, जिन्हें उनके गृह देशों या निजी संस्थानों द्वारा प्रायोजित किया जाता है। इससे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।
- **अंतरिक्ष पर्यटन एवं प्रशिक्षण:** अंतरिक्ष यात्रा में रुचि रखने वाले निजी व्यक्तियों को प्रशिक्षण एवं उड़ान के अवसर प्रदान करना।

### अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन(ISS) के बारे में -

- **ISS अंतरिक्ष में सबसे बड़ी मानव निर्मित संरचना है, जिसे 20 नवंबर 1998 को प्रक्षेपित किया गया था, और यह 2011 से अंतरिक्ष यात्रियों के लिए निरंतर आवास के रूप में कार्य कर रहा है।**
- यह एक संयुक्त परियोजना है जिसमें कई अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियां शामिल हैं:
  - **NASA:** राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन
  - **Roscosmos:** रूसी संघीय अंतरिक्ष एजेंसी
  - **ESA:** यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी
  - **JAXA:** जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी
  - **CSA:** कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी
- **ISS 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करता है।**
- यह लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से यात्रा करता है तथा लगभग हर 90 मिनट में पृथ्वी की एक परिक्रमा पूरी करता है।
- **ISS का प्राथमिक उद्देश्य अंतरिक्ष और सूक्ष्मगुरुत्व स्थितियों के बारे में हमारी समझ को बढ़ाना, वैज्ञानिक अनुसंधान को सुविधाजनक बनाना और अंतरिक्ष अन्वेषण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का उदाहरण प्रस्तुत करना है।**

स्रोत: [The Hindu - NASA's AXIOM 4 Mission](#)

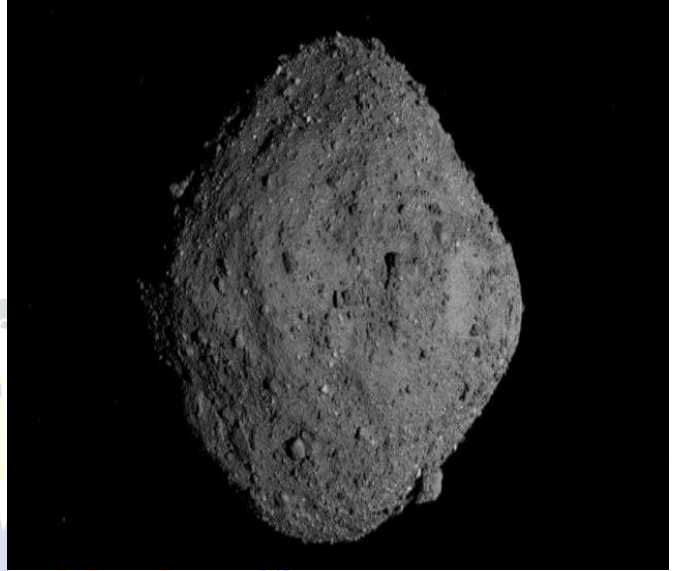
## नासा का बेन्नू क्षुद्रग्रह नमूना: जीवन की आधारशिलाओं का साक्ष्य

### संदर्भ

क्षुद्रग्रह बेन्नू(Asteroid Benu) से प्राप्त चट्टान और धूल के नमूनों पर हाल ही में किए गए अध्ययन से इस बात के पुख्ता सबूत मिले हैं कि अंतरिक्ष चट्टानों ने प्रारंभिक पृथ्वी पर जीवन के लिए मौलिक रासायनिक तत्वों के बीज बोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई होगी।

### बेन्नू के बारे में -

- बेन्नू एक पृथ्वी के निकट स्थित क्षुद्रग्रह(Asteroid) है जो 4.5 अरब वर्ष पूर्व एक बड़े खगोलीय पिंड के अवशेषों से बना था।
- यह एक "मलबे का ढेर" क्षुद्रग्रह है, जिसका अर्थ है कि यह एक ठोस वस्तु न होकर चट्टानी मलबे का एक शिथिल रूप से बंधा हुआ संग्रह है।
- बेन्नू का मूल पिंड एक बर्फीला आकाशीय पिंड था, जिसका व्यास अनुमानतः 100 किमी (60 मील) था, जो 1-2 बिलियन वर्ष पहले नष्ट हो गया था।



### नासा के OSIRIS-REX मिशन के बारे में -

- इसे 2016 में बेन्नू का अध्ययन करने और नमूने एकत्र करने के लिए लॉन्च किया गया था।
- 2020 में, OSIRIS-REX ने बेन्नू की सतह से चट्टान और धूल को सफलतापूर्वक एकत्र किया।
- नमूनों को सितंबर 2023 में पैराशूट से सुसज्जित कैप्सूल के माध्यम से यूटा रेगिस्तान में उतारकर पृथ्वी पर वापस लाया गया।
- ये नमूने अंतरिक्ष से सीधे एकत्र किए गए पहले प्राचीन क्षुद्रग्रह नमूने हैं, जो उल्कापिंड के नमूनों के विपरीत, पृथ्वी पर प्रदूषण के बारे में चिंताओं को दूर करते हैं।

### बेन्नू नमूनों से मुख्य निष्कर्ष

- **जीवन के निर्माण खंड मिले:** वैज्ञानिकों ने 14 अमीनो एसिड (प्रोटीन बनाने के लिए उपयोग किए जाते हैं) और सभी 5 न्यूक्लियोबेस (डीएनए और आरएनए में आनुवंशिक सामग्री) की खोज की।
  - ये जीवन के लिए आवश्यक हैं, लेकिन वास्तविक जीवन के लिए नहीं - ये केवल ऐसे तत्व हैं जो जीवन निर्माण में मदद कर सकते हैं।
- **जल और नमकीन खनिज मौजूद:** बेन्नू के मूल पिण्ड में अतीत में जल था।
  - नमकीन पानी वाष्पित हो गया, तथा खनिज पदार्थ पीछे रह गए - जो रासायनिक प्रतिक्रियाओं के लिए उपयुक्त गीले वातावरण का संकेत देता है।
- **"अंतरिक्ष से जीवन" सिद्धांत का समर्थन:** बेनु जैसे क्षुद्रग्रहों ने प्रारंभिक पृथ्वी पर आवश्यक अणु लाए होंगे, जिससे जीवन शुरू होने में मदद मिली होगी।
  - ऐसी ही प्रक्रियाएँ अन्य ग्रहों पर भी घटित हुई होंगी।

- **पृथ्वी पर कोई संदूषण नहीं:** उल्कापिंडों के विपरीत, बेंनू के नमूने सीधे अंतरिक्ष से एकत्र किए गए थे और पृथ्वी के पर्यावरण से अछूते रहे।
  - इससे यह पुष्टि होती है कि कार्बनिक पदार्थ वास्तव में अंतरिक्ष से आये थे।

स्रोत: [Indian Express - Asteroid Bennu](#)



## कुर्दिस्तान क्षेत्र

### संदर्भ

हाल ही में भारत ने इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र के निवासियों की सहायता के लिए मानवीय सहायता भेजी है।

### कुर्दिस्तान क्षेत्र के बारे में -

- कुर्दिस्तान क्षेत्र इराक, ईरान, तुर्की और सीरिया के कुछ हिस्सों में फैला एक भू-सांस्कृतिक क्षेत्र है, जहाँ कुर्द लोग रहते हैं।
- कुर्द विश्व के सबसे बड़े राज्यविहीन जातीय समूहों में से एक हैं।
- यह क्षेत्र तेल और प्राकृतिक गैस से समृद्ध है, विशेष रूप से इराकी कुर्दिस्तान, जो इसे भू-राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद, सेब्रेस की संधि (1920) के तहत, पश्चिमी शक्तियों ने कुर्दों को अपनी मातृभूमि देने का वादा किया था।
- हालाँकि, लॉज़ेन की संधि (1924) के तहत, जिसने कुर्दों को मध्य पूर्व के नवगठित राष्ट्रों में विभाजित कर दिया, उनकी उम्मीदें धराशायी हो गईं।



### कुर्दिस्तान क्षेत्र के प्रमुख शहर

- एरबिल (हेवेलर): इराक में कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार (केआरजी) की राजधानी।
- सुलेमानियाह (स्लेमानी), दोहुक, महादाबाद, दियारबाकिर (तुर्की में सबसे बड़ा कुर्द-बहुल शहर)।

### यूपीएससी पीवाईक्यू

प्रश्न: समाचारों में कभी-कभी किस समुदाय का उल्लेख होता है? (2016)

1. कुर्द : बांग्लादेश
2. मधेसी : नेपाल
3. रोहिंग्या : म्यांमार

उपर्युक्त में से कौन सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) 2 और 3
- (d) केवल 3

उत्तर:(c)

स्रोत: [DD News - Kurdistan](#)

## भारत में कुष्ठ रोग

### संदर्भ

वर्ष 2005 में राष्ट्रीय स्तर पर कुष्ठ रोग को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समाप्त करने के बाद, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय भारत में कुष्ठ रोग पर नियंत्रण के लिए लक्षित दृष्टिकोण की ओर अग्रसर हो रहा है।

### कुष्ठ रोग(Leprosy) के बारे में -

- **प्रभावित क्षेत्र:** कुष्ठ रोग त्वचा, परिधीय तंत्रिकाओं, ऊपरी श्वसन पथ की म्यूकोसा और आंखों को प्रभावित करता है।
- **संचरण:** नाक और मुंह से निकली बूंदों के माध्यम से फैलता है, आमतौर पर अनुपचारित व्यक्तियों के साथ निकट संपर्क के माध्यम से।
- **उपचार:** कुष्ठ रोग का उपचार बहुऔषधि चिकित्सा (MDT) से संभव है।
- **कुष्ठ रोग के प्रकार:**
  - **पॉसी-बैसिलरी (PB):** कम बैक्टीरिया दिखाई देते हैं, और बायोप्सी में कोई उन्नत रोग लक्षण नहीं देखा जाता है।
  - **मल्टीबैसिलरी (MB):** बैक्टीरिया दिखाई देते हैं, और बायोप्सी से उन्नत रोग के लक्षण दिख सकते हैं।

### भारत में कुष्ठ रोग के मामले -

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानदंडों ( प्रति 10,000 लोगों पर 1 से भी कम मामला ) के अनुसार, भारत ने 2005 में सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में कुष्ठ रोग उन्मूलन हासिल कर लिया था।**
- हालाँकि, कुछ राज्यों और जिलों में अभी भी उच्च प्रसार दर की रिपोर्ट है, जिसके लिए केंद्रित हस्तक्षेप की आवश्यकता है।
- **उच्च प्रसार वाले राज्य:** बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र और ओडिशा।

### हालिया पहल:

- **कुष्ठ रोग के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (NSP) और रोडमैप (2023-27):** 2027 तक शून्य संचरण प्राप्त करने का लक्ष्य।
- **राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (NLEP):** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत एक केन्द्र प्रायोजित योजना।
- **निकुष्ठ 2.0 पोर्टल:** कुष्ठ मामलों के प्रबंधन के लिए एक एकीकृत मंच।

स्रोत: [The Hindu - Leprosy](#)

## यमुना में अमोनिया का स्तर उच्च

### संदर्भ

यमुना जल संकट दिल्ली और हरियाणा सरकार के बीच राजनीतिक विवाद में बदल गया है।

### अमोनिया क्या है?

- अमोनिया ( $NH_3$ ) एक रंगहीन, पानी में घुलनशील गैस है जिसकी गंध तीखी होती है।
- यह पर्यावरण में स्वाभाविक रूप से मौजूद है लेकिन मानवीय गतिविधियों के कारण विषाक्त स्तर तक पहुंच सकती है।
- अमोनिया प्रदूषण के प्रमुख स्रोत:
  - कृषि भूमि से अपवाह (उर्वरक और पशु अपशिष्ट)।
  - औद्योगिक बहाव (रंग इकाइयां, आसवनी, रासायनिक संयंत्र)।
  - मानव बस्तियों से अनुपचारित मलजल।
  - नीले-हरे शैवाल जैसे कार्बनिक पदार्थों का प्राकृतिक अपघटन।
- अमोनिया का स्वास्थ्य पर प्रभाव:
  - यह अत्यधिक संक्षारक है तथा लम्बे समय तक संपर्क में रहने पर आंतरिक अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है।
  - इससे जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है, तथा यह मानव उपभोग के लिए असुरक्षित हो जाता है।
  - लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से श्वसन और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

### यमुना में अमोनिया प्रदूषण दिल्ली के लिए चिंता का विषय क्यों है?

- यमुना (हरियाणा क्षेत्र) में अमोनिया के स्रोत:
  - पानीपत और सोनीपत जिलों में रंगाई इकाइयों और भट्टियों से औद्योगिक उत्सर्जन।
  - आवासीय कॉलोनियों से अनुपचारित सीवेज
  - सर्दियों में पानी का प्रवाह कम होने से प्रदूषण और भी खराब हो जाता है क्योंकि ताजा पानी की कमी हो जाती है।
- दिल्ली की जल आपूर्ति पर प्रभाव:
  - अमोनिया पानी में घुलनशील ऑक्सीजन (DO) के स्तर को कम कर देता है, जिससे यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।
  - दिल्ली में जल उपचार संयंत्र (WTP) 1 PPM से अधिक अमोनिया स्तर वाले पानी को संसाधित नहीं कर सकते हैं।
  - जब अमोनिया का स्तर बढ़ता है, तो उपचार अक्षमताओं के कारण दिल्ली को पानी की कमी का सामना करना पड़ता है।
  - सर्दियों में स्थिति और भी खराब हो जाती है, क्योंकि नदी का प्रवाह कम होने के कारण अमोनिया का स्तर काफी बढ़ जाता है।

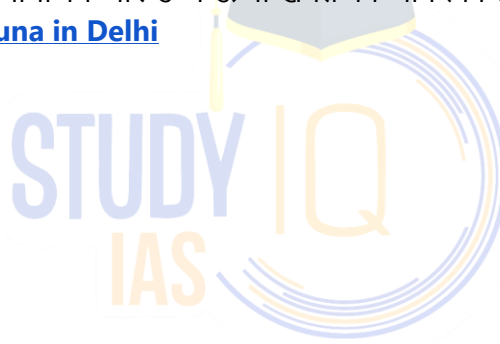
### अमोनिया युक्त जल के उपचार के तरीके

- क्लोरीनीकरण (रासायनिक उपचार):
  - यह कैसे काम करता है: अमोनिया को क्लोरीन गैस ( $Cl_2$ ) या सोडियम हाइपोक्लोराइट ( $NaOCl$ ) का उपयोग करके बेअसर किया जाता है।
  - सीमा: अत्यधिक क्लोरीन हानिकारक कीटाणुशोधन उपोत्पाद (डीबीपी) उत्पन्न कर सकता है।
- जैविक नाइट्रीकरण एवं विनाइट्रीकरण:



- यह कैसे काम करता है: बैक्टीरिया अमोनिया को नाइट्राइट ( $\text{NO}_2^-$ ) और फिर नाइट्रेट्स ( $\text{NO}_3^-$ ) में परिवर्तित करते हैं, जिन्हें आगे की जैविक प्रक्रियाओं के माध्यम से हटा दिया जाता है।
- शामिल बैक्टीरिया:
  - नाइट्रोसोमोनस बैक्टीरिया अमोनिया को नाइट्राइट में परिवर्तित करता है।
  - नाइट्रोबैक्टर बैक्टीरिया नाइट्राइट को नाइट्रेट में परिवर्तित करते हैं।
- सीमा: विशिष्ट जीवाणु संवर्धन और नियंत्रित स्थितियों की आवश्यकता होती है।
- रिवर्स ऑस्मोसिस (RO) और आयन एक्सचेंज (झिल्ली-आधारित उपचार)
  - यह कैसे काम करता है: आरओ झिल्ली अमोनिया अणुओं को फ़िल्टर करती है, उन्हें पानी से निकाल देती है। इस विधि का उपयोग सिंगापुर के न्यूवाटर प्रोजेक्ट में अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण के लिए किया जाता है।
  - सीमा: महंगा है और उच्च ऊर्जा इनपुट की आवश्यकता है।
- आर्द्रभूमि का निर्माण (प्रकृति-आधारित समाधान)
  - यह कैसे काम करता है: आर्द्रभूमि के पौधे पानी से अमोनिया को अवशोषित करते हैं। जड़ क्षेत्रों में माइक्रोबियल गतिविधि प्राकृतिक नाइट्रीकरण को बढ़ावा देती है।
  - सीमा: बड़े क्षेत्र और दीर्घकालिक निगरानी की आवश्यकता होती है।
- अमोनिया स्ट्रिपिंग (भौतिक प्रक्रिया)
  - यह कैसे काम करता है: अमोनियम आयनों ( $\text{NH}_4^+$ ) को गैसीय अमोनिया ( $\text{NH}_3$ ) में बदलने के लिए पानी को उच्च पीएच (~ 10.5-11) पर वातित किया जाता है, जो हवा में निकल जाता है।
  - सीमा: पीएच समायोजन और उच्च ऊर्जा खपत की आवश्यकता होती है।

स्रोत: [Indian Express - Yamuna in Delhi](#)



## ध्रुवीय भालू का फर और PFA की जगह लेने की इसकी क्षमता

### संदर्भ

साइंस एडवांसेज में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि ध्रुवीय भालू के फर में एक तैलीय पदार्थ होता है जो उन्हें अत्यधिक बर्फीली परिस्थितियों में सूखा रखने में मदद करता है।

### ध्रुवीय भालू के फर के अनोखे गुण -

- शोधकर्ताओं ने पाया कि ध्रुवीय भालू के फर में एक तैलीय पदार्थ (सीबम) होता है जो बर्फ को उस पर चिपकने से रोकता है।
- यह तैलीय पदार्थ फ्लोरिनेटेड स्की स्किन (fluorinated ski skins) के समान कार्य करता है, जो स्की को बर्फ पर फिसलने में मदद करता है।
- यह गुण ध्रुवीय भालूओं को बर्फ पर फिसलने या शिकार करते समय पानी में गोता लगाने के बाद भी सूखा रहने में मदद करता है।
- ध्रुवीय भालू सीबम की संरचना:
  - ध्रुवीय भालू के फर सीबम में स्कैलीन की कमी होती है, एक यौगिक जो मानव सीबम में प्रमुख होता है।
  - इसके बजाय, ध्रुवीय भालू के सीबम में कोलेस्ट्रॉल और अन्य फैटी एसिड होते हैं।
  - चूंकि बहुत कम अध्ययनों में जानवरों के सीबम की जांच की गई है, इसलिए यह अनिश्चित है कि क्या यह संरचना ध्रुवीय भालू के लिए अद्वितीय है।
- अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि ध्रुवीय भालू के फर के सीबम पर आधारित प्राकृतिक रूप से प्राप्त कोटिंग्स, विभिन्न उत्पादों में हानिकारक PFA का स्थान ले सकती हैं।

### PFA/फॉरएवर केमिकल्स -

- पॉलीफ्लूरोएल्काइल पदार्थ (PFA) मानव निर्मित रसायन हैं, जिनका जल, तेल और ताप प्रतिरोध के कारण व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
- इन्हें "फॉरएवर केमिकल्स या सदैव रहने वाले रसायन" के नाम से जाना जाता है, क्योंकि ये पर्यावरण में विघटित नहीं होते, जिसके कारण ये पारिस्थितिकी तंत्र, पेयजल और मानव शरीर में जमा हो जाते हैं।
- PFA के सामान्य उपयोग: नॉन-स्टिक कुकवेयर (टेफ्लॉन), वाटरप्रूफ कपड़े, ग्रीस-प्रतिरोधी खाद्य पैकेजिंग, फ्लोरिनेटेड स्की स्किन (स्कीइंग में प्रयुक्त) आदि।
- PFA के पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी खतरे:
  - PFA पर्यावरण में विघटित नहीं होते, जिससे दीर्घकालिक संदूषण होता है।
  - PFA के संपर्क से जुड़े स्वास्थ्य जोखिम: अधिक संपर्क से लीवर की क्षति, जन्म के समय कम वजन और वृषण कैंसर हो सकता है।

स्रोत: [Indian Express - Polar Bear Fur](#)

## समाचार में स्थान

### INSV तरिणी ने पृथ्वी के सबसे दूरस्थ भाग - प्वाइंट निमो को पार किया

- नाविका सागर परिक्रमा-II के तहत विश्व की परिक्रमा के चल रहे मिशन के हिस्से के रूप में, दो भारतीय नौसेना अधिकारी प्वाइंट निमो से गुजरे।

### सागर परिक्रमा के बारे में -

- **मिशन लक्ष्य:** विश्व की चुनौतीपूर्ण परिक्रमा के माध्यम से नौसैन्य कौशल, समुद्री विरासत और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना।
- **प्रतिभागी:** दो भारतीय नौसेना महिला अधिकारी - **लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए. और लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के.**
- **मार्गदर्शन:** गोल्डन ग्लोब रेस के हीरो, कमांडर अभिलाष टॉमी (सेवानिवृत्त) द्वारा मार्गदर्शन।
- **वाहन:** भारतीय नौसेना नौकायन पोत (INSV) तारिणी।
  - यह 55 फुट की सेलबोट है जिसे फरवरी 2017 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।
  - इसका नाम ओडिशा के तारा-तारिणी मंदिर के नाम पर रखा गया है, जो नाविकों और व्यापारियों के संरक्षक देवता हैं।



- प्वाइंट निमो दुर्गमता का महासागरीय ध्रुव है, अर्थात् ग्रह पर सबसे अलग-थलग बिंदु।
- यह दक्षिण प्रशांत महासागर में निकटतम भूभाग से लगभग 2,688 किलोमीटर दूर स्थित है।
- इसकी दूरस्थता के कारण, इसे अंतरिक्ष यान कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है, जहां अंतरिक्ष एजेंसियां पृथ्वी के वायुमंडल में सुरक्षित पुनः प्रवेश के लिए सेवानिवृत्त उपग्रहों और अंतरिक्ष स्टेशनों को निर्देशित करती हैं।

स्रोत: [The Hindu - INSV Tarini](#)

### ग्वांतानामो बे (Guantanamo Bay)

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने क्यूबा के ग्वांतानामो बे में हजारों आपराधिक अप्रवासियों को हिरासत में लेने की योजना की घोषणा की है।
- ग्वांतानामो बे(खाड़ी) क्यूबा में एक अमेरिकी नौसैनिक अड्डा है, जो आतंक के खिलाफ युद्ध से जुड़े बंदियों को रखने के लिए जाना जाता है।
- इसमें समुद्र के रास्ते अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास करते हुए पकड़े गए व्यक्तियों के लिए एक अलग प्रवासी हिरासत केंद्र भी शामिल है।
- इसका निर्माण जॉर्ज डब्ल्यू बुश के राष्ट्रपतित्व के दौरान "आतंकवाद के खिलाफ युद्ध" के हिस्से के रूप में किया गया था।



- **स्थान:** दक्षिण-पूर्वी क्यूबा
- **अमेरिका द्वारा नियंत्रित:** 1903 से (क्यूबा के साथ एक पट्टा समझौते के तहत)
- क्यूबा लंबे समय से ग्वांतानामो खाड़ी को अवैध रूप से कब्जा किया गया क्षेत्र बताते हुए इसे वापस करने की मांग कर रहा है।
- अमेरिका ने सुरक्षा और रणनीतिक हितों का हवाला देते हुए बेस खाली करने से इनकार कर दिया।

स्रोत: [Indian Express - Guantanamo](#)

## समाचार संक्षेप में

### मध्यम आय जाल

- यह एक ऐसी स्थिति है जहां एक देश मध्यम-आय से उच्च-आय स्थिति में परिवर्तन के लिए संघर्ष करता है।
- धीमी वृद्धि, स्थिर वेतन और बढ़ती अनौपचारिक अर्थव्यवस्था इसकी विशेषता है।
- विश्व बैंक की 2024 विश्व विकास रिपोर्ट कहती है कि 100 से अधिक देश मध्यम आय के जाल में फंसे हुए हैं।
- "मध्यम-आय जाल" शब्द को विश्व बैंक ने 'एन ईस्ट एशियन रेनेसांस: आइडियाज फॉर इकोनॉमिक ग्रोथ' (2007) नामक अपनी रिपोर्ट में गढ़ा था।

#### मध्यम आय जाल का कारण क्या है?

- यदि कोई देश श्रम-प्रधान वस्तुओं या उच्च मूल्य-वर्धित गतिविधियों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाता है तो वह मध्यम-आय के जाल में फंस जाता है।
- जब देश आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए ठोस नीतियों का पालन नहीं करते हैं।

स्रोत: [The Hindu - Middle income](#)

### चीन ने 'समुद्री आक्रामकता' बंद कर दी तो फिलीपींस अमेरिकी मिसाइल प्रणाली (टाइफॉन) हटा देगा

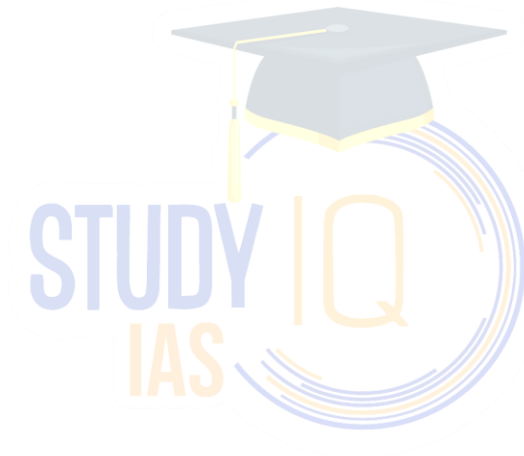
- फिलीपींस ने पेशकश की है कि यदि चीन दक्षिण चीन सागर में अपनी आक्रामक गतिविधियां बंद कर दे तो वह टाइफॉन मध्यम दूरी की मिसाइल प्रणाली को हटा लेगा।
- अमेरिकी सेना ने संयुक्त तैयारी अभ्यास के लिए अप्रैल 2024 में उत्तरी फिलीपींस में टाइफॉन प्रणाली तैनात की।

#### टाइफॉन मध्य दूरी मिसाइल प्रणाली के बारे में -

- इसे अमेरिकी सेना की स्ट्रेटेजिक मिड-रेंज फायर (SMRF) प्रणाली के नाम से भी जाना जाता है।
- मिसाइल: यह एसएम-6 मिसाइलों और टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों दोनों को लॉन्च कर सकता है
- लांचर: टाइफॉन प्रणाली में 16 मिसाइलें (चार लांचर, प्रत्येक में चार मिसाइलें) दागने की क्षमता वाले लांचर लगे हैं।
- श्रेणी:
  - टॉमहॉक मिसाइलों की मारक क्षमता 1,600 किलोमीटर है और ये मुख्य भूमि चीन के कुछ हिस्सों तक पहुंचने में सक्षम हैं।
  - एसएम-6 मिसाइलों की मारक क्षमता 200 किलोमीटर से अधिक है और ये हवाई तथा समुद्री खतरों से निपट सकती हैं।



स्रोत: [The Hindu - Philippines to remove U.S. missile system](#)



## संपादकीय सारांश

### भारत-श्रीलंका संबंध और 13वां संशोधन

#### संदर्भ

भारत ने **जाफना सांस्कृतिक केंद्र का नाम** तमिल कवि-दार्शनिक **तिरुवल्लुवर के नाम पर रखा है**, जो श्रीलंका के साथ भारत के स्थायी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को दर्शाता है।

#### समाचार के बारे में और अधिक जानकारी

- मूल रूप से, श्रीलंकाई तमिलों ने नाम से 'जाफना' हटाए जाने पर चिंता व्यक्त की, जिसके बाद भारतीय अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इसका नाम बदलकर जाफना तिरुवल्लुवर सांस्कृतिक केंद्र कर दिया।
- भारत द्वारा निर्मित यह केंद्र एक सांस्कृतिक मील का पत्थर के रूप में कार्य करता है और दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों को मजबूत करता है।

#### भारत-श्रीलंका राजनीतिक संबंधों का ऐतिहासिक संदर्भ

**1983 में तमिल विरोधी दंगों** के बाद से भारत ने श्रीलंका की राजनीति में विभिन्न भूमिकाएं निभाई हैं, जिनमें नागरिक संघर्षों के दौरान मध्यस्थता करना और 1987 के भारत-लंका समझौते जैसे संवैधानिक सुधारों का समर्थन करना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप 13वें संशोधन के तहत प्रांतीय परिषदों की स्थापना हुई।

#### श्रीलंकाई संविधान में 13वां संशोधन

- **श्रीलंका के संविधान में 13 वां संशोधन (13A) 1987** में भारत और श्रीलंका के बीच भारत-लंका समझौते के भाग के रूप में पेश किया गया था।
- इसका उद्देश्य प्रांतों को शक्ति का हस्तांतरण प्रदान करके लंबे समय से चले आ रहे जातीय संघर्ष को संबोधित करना था, विशेष रूप से तमिल-बहुमत उत्तरी और पूर्वी प्रांतों को लाभ पहुंचाना।

#### 13वें संशोधन की मुख्य विशेषताएं

- **प्रांतीय परिषदों का निर्माण: 9 प्रांतीय परिषदों की स्थापना** की गई, जिनमें से प्रत्येक को सीमित विधायी और कार्यकारी शक्तियां दी गईं।
  - श्रीलंका में विकेन्द्रीकृत शासन का पहला प्रयास।
- **प्रांतीय परिषदों की शक्तियाँ:** शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, भूमि और पुलिस जैसे विषयों पर हस्तांतरित शक्तियाँ।
  - राष्ट्रीय सुरक्षा और वित्त सहित कुछ विषय केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण में रहे।
- **तमिल भाषा को आधिकारिक दर्जा: तमिल को सिंहल** के साथ-साथ **आधिकारिक भाषा** तथा प्रांतीय स्तर पर प्रशासनिक भाषा के रूप में मान्यता दी गई।
- **उत्तरी और पूर्वी प्रांतों का विलय (बाद में रद्द)**
  - उत्तरी और पूर्वी प्रांतों को एक तमिल-बहुमत इकाई में अस्थायी विलय की अनुमति दी गई।
  - **2006 में, श्रीलंकाई सुप्रीम कोर्ट ने विलय को रद्द कर दिया, और उन्हें अलग प्रांतों के रूप में बहाल कर दिया।**

#### 13A का महत्व

- श्रीलंका के जातीय संघर्ष के लिए एक समझौता समाधान के रूप में देखा गया।
- यह तमिल बहुल क्षेत्रों को सत्ता का हस्तांतरण करने वाला एकमात्र संवैधानिक प्रावधान है।

- यह श्रीलंका की राजनीति में विवाद का विषय बना हुआ है, जहां तमिल समूह इसके पूर्ण कार्यान्वयन की मांग कर रहे हैं, जबकि सिंहली राष्ट्रवादी दल इसे निरस्त करने की वकालत कर रहे हैं।

### चुनौतियाँ और स्थिति

- 35 वर्षों से अधिक समय तक श्रीलंकाई संविधान का हिस्सा होने के बावजूद, 13A को कभी भी पूरी तरह से लागू नहीं किया गया है।
- संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद, प्रांतों में पुलिस और भूमि प्रशासन पर नियंत्रण का अभाव है।
- श्रीलंका की सभी सरकारों ने इसके पूर्ण कार्यान्वयन का विरोध किया है, उन्हें डर है कि इससे अलगाववाद को बढ़ावा मिलेगा।
- जेवीपी और राष्ट्रवादी पार्टियों ने 13A का विरोध किया है, इसे भारत द्वारा थोपा गया माना जाता है।
- भारत ने लगातार श्रीलंका से तमिल शिकायतों को दूर करने के साधन के रूप में संशोधन को पूरी तरह से लागू करने का आग्रह किया है।

### वर्तमान स्थिति

- जबकि प्रांतीय परिषदें 1988 से 2019 तक कार्य करती रहीं, उनकी शक्तियां कमजोर रहीं।
- 2019 के बाद से कोई प्रांतीय परिषद चुनाव नहीं हुआ है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में देरी हो रही है।
- नई जेवीपी के नेतृत्व वाली सरकार ने 13A के पूर्ण कार्यान्वयन या निरसन पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है।
- दिसंबर 2024 में 13A पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी ने भारत के बदलते रुख के बारे में अटकलें बढ़ा दी हैं।

स्रोत: [The Hindu: An opportunity to settle Sri Lanka's ethnic problem](#)





## एआई प्रतिस्पर्धा वाले दौर में भारत की स्थिति

### संदर्भ

लागत प्रभावी, उच्च प्रदर्शन वाले ओपन-सोर्स एआई मॉडल के रूप में डीपसीक के उद्भव से भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं, जो एआई अनुप्रयोग विकास, अनुसंधान, बुनियादी ढांचे और नीति तक फैला हुआ है।

### डीपसीक(DeepSeek) के वैश्विक निहितार्थ -

- **अमेरिकी एआई प्रभुत्व को बाधित करना:** डीपसीक आर1 अमेरिकी नेतृत्व वाले एआई पारिस्थितिकी तंत्र को चुनौती देता है, जो महंगे डेटा केंद्रों और उच्च-स्तरीय सेमीकंडक्टर चिप्स पर निर्भर करता है।
  - यह दर्शाता है कि उच्च प्रदर्शन वाले AI मॉडल को कम बुनियादी ढांचे की लागत के साथ बनाया जा सकता है, जिससे OpenAI, Google और Anthropic जैसे अमेरिकी AI दिग्गजों के व्यापार मॉडल को खतरा हो सकता है।
- **तीव्र होती अमेरिकी-चीन एआई प्रतिद्वंद्विता:** एआई अब एक भू-राजनीतिक युद्ध का मैदान है, और डीपसीक एआई अनुसंधान में अमेरिका की बढ़त के प्रति चीन की प्रतिक्रिया है।
  - चीन का लक्ष्य पश्चिमी प्रौद्योगिकी पर निर्भरता कम करते हुए एआई और सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भरता हासिल करना है।
  - अमेरिका चीन को एआई चिप्स और एआई मॉडल के निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगा सकता है, जिससे तकनीकी शीत युद्ध और तेज हो जाएगा।
- **वैश्विक एआई सुलभता पर प्रभाव:**
  - **एआई का लोकतंत्रीकरण:** डीपसीक का ओपन-सोर्स दृष्टिकोण शक्तिशाली एआई को स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं और छोटे देशों के लिए अधिक सुलभ बनाता है।
  - **नए एआई हब:** जिन देशों में एआई बुनियादी ढांचे की कमी है, वे अमेरिका के महंगे, क्लौड-सोर्स मॉडल पर निर्भर रहने के बजाय डीपसीक मॉडल का उपयोग और अनुकूलन कर सकते हैं।
  - **एआई तकनीकी उपनिवेशवाद का जोखिम:** यदि एआई विकास कुछ देशों (अमेरिका और चीन) तक ही सीमित रहता है, तो छोटे देश विदेशी एआई बुनियादी ढांचे पर निर्भर हो सकते हैं।
- **एआई लागत में कमी और दक्षता में वृद्धि:** डीपसीक की सफलता दर्शाती है कि नवीन एआई तकनीकें (जैसे, सुदृढीकरण सीखना, विशेषज्ञों का मिश्रण) लागत में कटौती कर सकती हैं और दक्षता को बढ़ा सकती हैं।
  - इससे अन्य देशों के लिए अपने स्वयं के एआई मॉडल विकसित करने में बाधाएं कम हो सकती हैं।

### भारत के एआई विकास में चुनौतियाँ

- **विदेशी एआई मॉडल पर निर्भरता:** भारत में घरेलू आधारभूत एआई मॉडल का अभाव है और यह विदेशी एलएलएम (जैसे ओपनएआई के जीपीटी और गूगल के जेमिनी) पर बहुत अधिक निर्भर है।
  - इससे भारतीय भाषाओं और अनुप्रयोगों के लिए अनुकूलन सीमित हो जाता है और डेटा गोपनीयता संबंधी चिंताएं उत्पन्न होती हैं।
- **सीमित एआई अवसंरचना (जीपीयू और डेटा सेंटर):** भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में जीपीयू और टीपीयू जैसे उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटिंग संसाधनों का अभाव है।
  - 10,000 GPU प्राप्त करने की योजना धीमी गति से चल रही है, जिससे AI अनुसंधान और विकास में देरी हो रही है।
- **अपर्याप्त एआई अनुसंधान और वित्तपोषण:** भारत में मजबूत एआई प्रतिभा है लेकिन मौलिक एआई अनुसंधान में निवेश कम है।

- अधिकांश एआई अनुसंधान अनुप्रयोगों पर केंद्रित है, न कि कोर एआई विकास (एलएलएम, सुदृढीकरण सीखना, आदि) पर।
- **भाषा और डेटा चुनौतियाँ:** एआई मॉडल को 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं और सैकड़ों बोलियों को ध्यान में रखना होगा।
  - क्षेत्रीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण डेटा सीमित है, जिससे एलएलएम की सटीकता और प्रयोज्यता प्रभावित हो रही है।
- **एआई नीति और नैतिक चिंताएँ** भारत में एआई सुरक्षा, पूर्वाग्रह शमन और डेटा संरक्षण के लिए स्पष्ट नियमों का अभाव है।
  - एआई गवर्नेंस फ्रेमवर्क की अनुपस्थिति अपनाने की प्रक्रिया को धीमा कर सकती है और व्यवसायों के लिए कानूनी जोखिम बढ़ा सकती है।

### भारत के एआई विकास के लिए समाधान

- **स्वदेशी एआई मॉडल विकसित करना:** भारत को भारतीय एलएलएम के विकास को वित्त पोषित करना चाहिए और इसमें तेजी लानी चाहिए, जैसा कि चीन ने डीपसीक के साथ किया था।
  - सरकार, निजी कंपनियों और शिक्षाविदों को मिशन-मोड एआई परियोजनाओं पर सहयोग करना चाहिए।
- **एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश करना:** इंडियाएआई मिशन के माध्यम से उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्लस्टर और क्लाउड एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना।
  - डेटा सेंटर बनाने और उन्नत GPU प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक-निजी साझेदारी को प्रोत्साहित करना।
- **एआई अनुसंधान एवं विकास निधि में वृद्धि:** एलएलएम, सुदृढीकरण सीखने और मल्टी-मॉडल एआई पर ध्यान केंद्रित करने वाले समर्पित एआई अनुसंधान संस्थान स्थापित करना।
  - आधारभूत मॉडलों पर काम करने वाले एआई स्टार्टअप्स के लिए अनुदान और प्रोत्साहन प्रदान करना।
- **भारतीय भाषाओं के लिए एआई मॉडल बनाना:** भारतीय-विशिष्ट एलएलएम को प्रशिक्षित करने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाले डेटासेट बनाना।
  - स्थानीय अनुप्रयोगों के लिए मॉडलों को बेहतर बनाने के लिए डीपसीक या मेटा के लामा का उपयोग करना।
- **एआई नीति और विनियमन को मजबूत करना:** एआई के नैतिक उपयोग, गोपनीयता संरक्षण और पूर्वाग्रह में कमी सुनिश्चित करने के लिए एक एआई नियामक ढांचा स्थापित करना।
  - विदेशी मॉडलों पर निर्भरता से बचने के लिए ओपन-सोर्स एआई को अपनाने को बढ़ावा देना।
- **एआई नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना:** एआई प्रतिभा को पोषित करने के लिए एआई हैकथॉन, इनक्यूबेटर और स्टार्टअप एक्सेलेरेटर का आयोजन करना।
  - एआई अनुसंधान और व्यावसायीकरण के लिए उद्योग-अकादमिक सहयोग को प्रोत्साहित करना।

### निष्कर्ष: भारत को अब कार्रवाई करनी चाहिए

- डीपसीक ने साबित किया है कि लागत प्रभावी एआई मॉडल अमेरिकी एआई दिग्गजों के प्रभुत्व को चुनौती दे सकते हैं।
- भारत में प्रतिभा और क्षमता तो है, लेकिन आधारभूत एआई मॉडल और उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग अवसंरचना का अभाव है।
- भारत को वैश्विक एआई अग्रणी बनने के लिए एआई अनुसंधान एवं विकास, बुनियादी ढांचे और नीति सुधारों में तत्काल निवेश की आवश्यकता है।

**स्रोत: Indian Express: The Launch of Deepseek's Model has set off global AI Race. Where does India Stand?**

## केंद्रीय बजट 2025: आर्थिक चुनौतियाँ, कराधान बहस और नीति समाधान

### संदर्भ

1 फरवरी, 2025 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी।

### वर्तमान आर्थिक चुनौतियाँ

- **सुस्त जीडीपी वृद्धि:** भारत की जीडीपी वृद्धि धीमी हो रही है, जो कोविड-पूर्व स्तर 4% (2019-20) से नीचे है।
  - कोविड-पश्चात CAGR (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर): प्रति वर्ष 5% से कम, अपेक्षा से कम।
  - नीति निर्माताओं का लक्ष्य 7%-8% वार्षिक वृद्धि दर का है, लेकिन वर्तमान रुझान 5%-6% का संकेत देते हैं।
- **उपभोक्ता व्यय में कमी और कमजोर निजी निवेश:** उपभोक्ता पर्याप्त व्यय नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण वस्तुओं और सेवाओं की मांग कम हो रही है।
  - कम उपभोक्ता मांग के कारण निजी कंपनियाँ अपने कारोबार के विस्तार में निवेश करने से हिचकिचा रही हैं।
  - निर्यात पहले वृद्धि का मुख्य चालक हुआ करता था, लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में पुनः आने के बाद, टैरिफ और वैश्विक व्यापार के संबंध में अनिश्चितता ने नए जोखिम उत्पन्न कर दिए हैं।
- **सरकार की वित्तीय बाधाएं:** सरकार सार्वजनिक व्यय के माध्यम से आर्थिक विकास की मुख्य चालक रही है।
  - हालाँकि, उच्च उधारी और बढ़ते ऋण स्तर के कारण इसकी वित्तीय स्थिति तनावपूर्ण है।
  - राजकोषीय घाटे का दबाव इस बात को सीमित कर देता है कि सरकार विकास को प्रोत्साहित करने के लिए कितना अधिक खर्च कर सकती है।

### प्रस्तावित समाधान: कर कटौती के माध्यम से उपभोक्ता व्यय को बढ़ावा देना

कई अर्थशास्त्रियों का तर्क है कि करों में कटौती से लोगों की जेब में ज़्यादा पैसा आएगा, जिससे वे ज़्यादा खर्च करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। इससे एक अच्छा चक्र बन सकता है:

- **उच्च उपभोक्ता व्यय** → वस्तुओं/सेवाओं की मांग में वृद्धि।
- **कम्पनियाँ अधिक निवेश करती हैं** → नई नौकरियाँ पैदा होती हैं और मजदूरी बढ़ती है।
- **अधिक आय से अधिक व्यय होता है**, जिससे दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

### करदाता कर कटौती की मांग क्यों करते हैं?

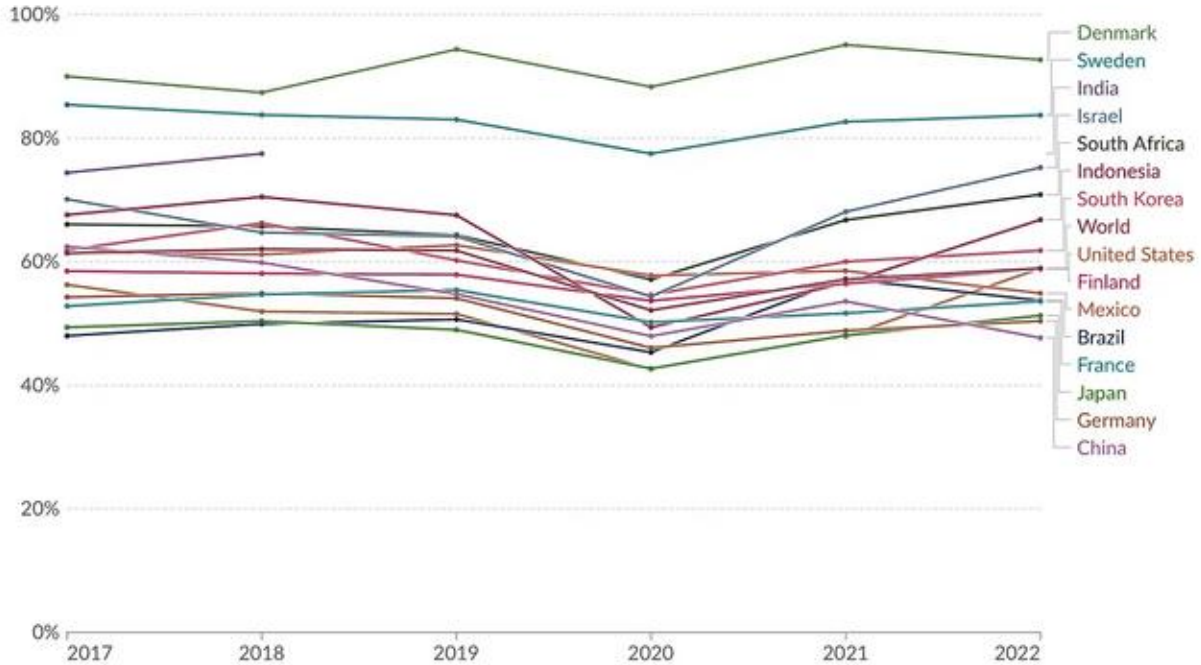
- कई भारतीयों को लगता है कि उन पर अत्यधिक कर लगाया जा रहा है, उनका मानना है कि सरकार उनकी कमाई से बहुत अधिक ले रही है।
- हालाँकि, आंकड़े अधिक जटिल तस्वीर प्रस्तुत करते हैं, जो दर्शाते हैं कि भारत पर वास्तव में वैश्विक मानकों की तुलना में कम कर लगाया जाता है।

**भारत के कराधान को समझना**  
**भारत सरकार कर राजस्व पर अत्यधिक निर्भर है**

**Share of central government expenditures funded by taxes, 2017 to 2022**



Fines, penalties, and most social security contributions are excluded.



Data source: International Monetary Fund

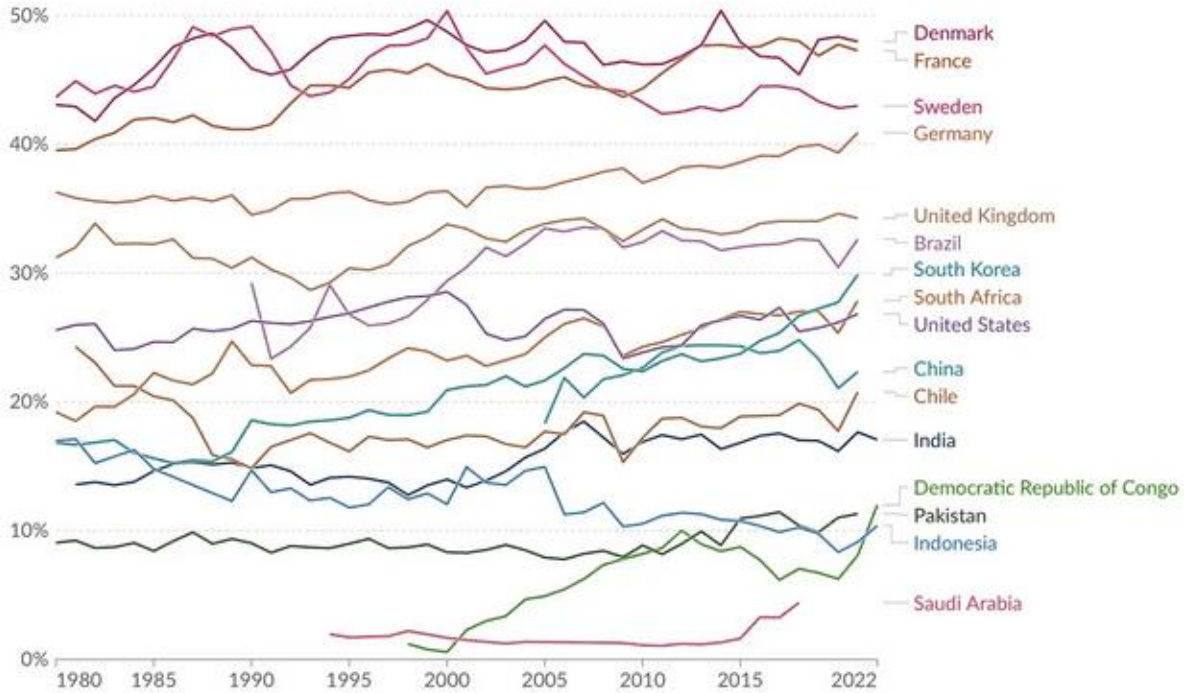
OurWorldinData.org/taxation | CC BY

- भारत के केन्द्र सरकार के लगभग 80% व्यय का वित्तपोषण करों द्वारा किया जाता है।
- ब्राज़ील, मैक्सिको और चीन कर राजस्व पर कम तथा अन्य आय स्रोतों पर अधिक निर्भर हैं।
- निहितार्थ: वैकल्पिक राजस्व स्रोतों के बिना करों में कटौती करने से भारत को अधिक उधार लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिससे व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए ब्याज दरें बढ़ सकती हैं।

## भारत का कर-जीडीपी अनुपात कम है

### Tax revenues as a share of GDP

Direct and indirect taxes as well as social contributions included.



Data source: UNU-WIDER Government Revenue Dataset (2023)

OurWorldinData.org/taxation | CC BY

- भारत का कुल कर राजस्व सकल घरेलू उत्पाद के 20% से कम है, जो यूरोपीय देशों की तुलना में बहुत कम है।
- विकसित देश सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में अधिक कर राजस्व जुटाते हैं, जिसका अर्थ है कि वे कराधान में अधिक कुशल हैं।

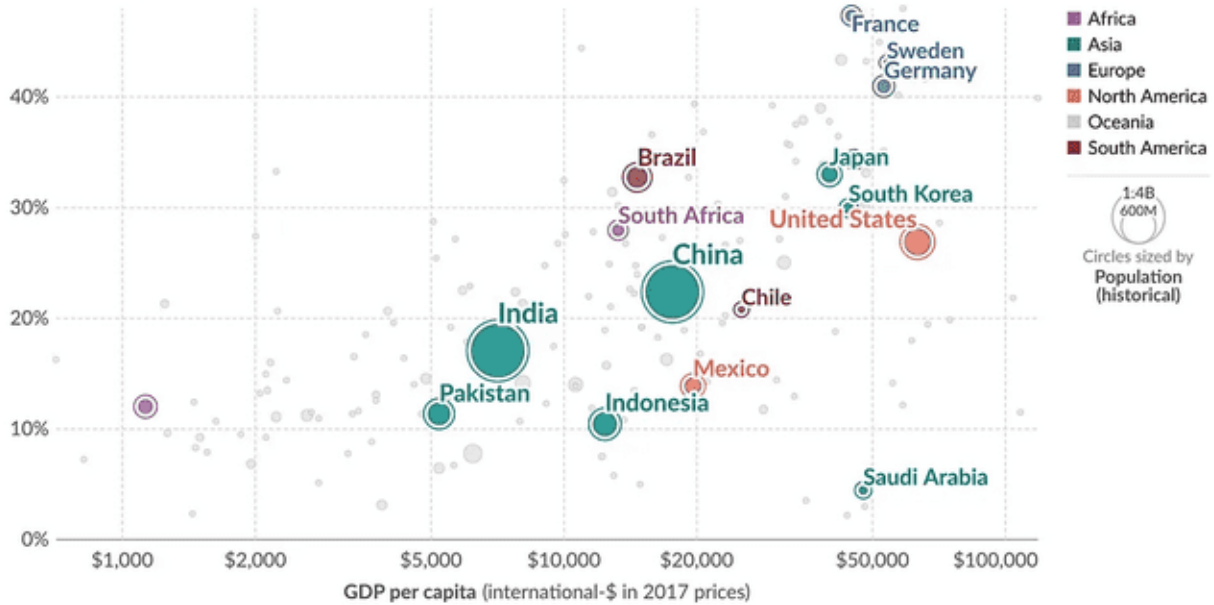
## कर संग्रह बनाम प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद

### Tax revenues as a share of GDP vs. GDP per capita, 2022

Our World  
in Data

Taxes include direct and indirect taxes as well as social contributions. GDP per capita is adjusted for inflation and differences in the cost of living between countries.

Tax revenues (% of GDP)



Data source: UNU-WIDER Government Revenue Dataset (2023); World Bank (2023)

OurWorldinData.org/taxation | CC BY

Note: Tax revenue includes social contributions. GDP per capita is expressed in international-\$<sup>1</sup> at 2017 prices.

1. International dollars: International dollars are a hypothetical currency that is used to make meaningful comparisons of monetary indicators of living standards. Figures expressed in international dollars are adjusted for inflation within countries over time, and for differences in the cost of living between countries. The goal of such adjustments is to provide a unit whose purchasing power is held fixed over time and across countries, such that one international dollar can buy the same quantity and quality of goods and services no matter where or when it is spent. Read more in our article: What are Purchasing Power Parity adjustments and why do we need them?

- धनी राष्ट्र सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में अधिक कर राजस्व एकत्र करते हैं।
- भारत इंडोनेशिया और मैक्सिको से अधिक कर राजस्व एकत्र करता है, लेकिन चीन और अमेरिका से कम।
- निहितार्थ: जैसे-जैसे भारत की प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी, कर संग्रह भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा।

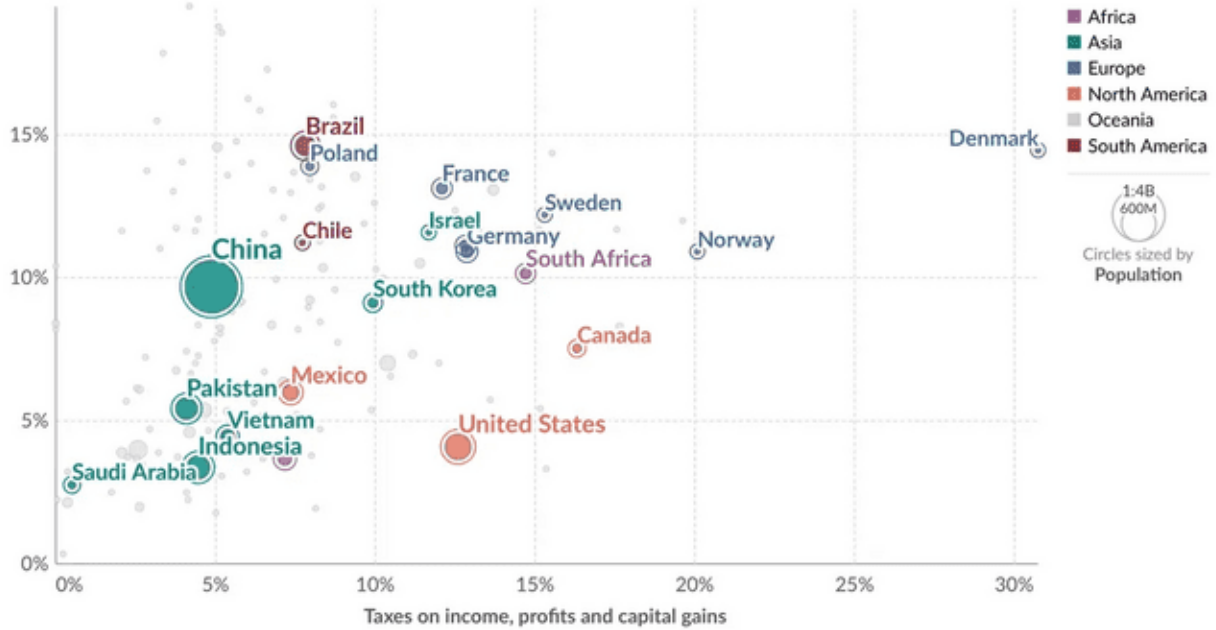
## भारत की कर संरचना: प्रत्यक्ष बनाम अप्रत्यक्ष कर

### Taxes on income vs. taxes on goods and services, 2022

Our World  
in Data

Total taxes on income (individual and corporate) vs. total taxes on goods and services (including VAT and sales taxes), as a share of GDP.

Taxes on goods and services (% of GDP)



Data source: UNU-WIDER Government Revenue Dataset (2023)

OurWorldinData.org/taxation | CC BY

- प्रत्यक्ष कर (आयकर) अधिक न्यायसंगत हैं, क्योंकि अमीर लोग अधिक कर देते हैं।
- अप्रत्यक्ष कर (जीएसटी) प्रतिगामी हैं, जो अमीर और गरीब दोनों को समान रूप से प्रभावित करते हैं।
- **भारत में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों कर सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7% का योगदान करते हैं।**
- **निहितार्थ:** भारत को जीएसटी जैसे प्रतिगामी अप्रत्यक्ष करों पर निर्भरता कम करने के लिए उच्च आय वालों से प्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

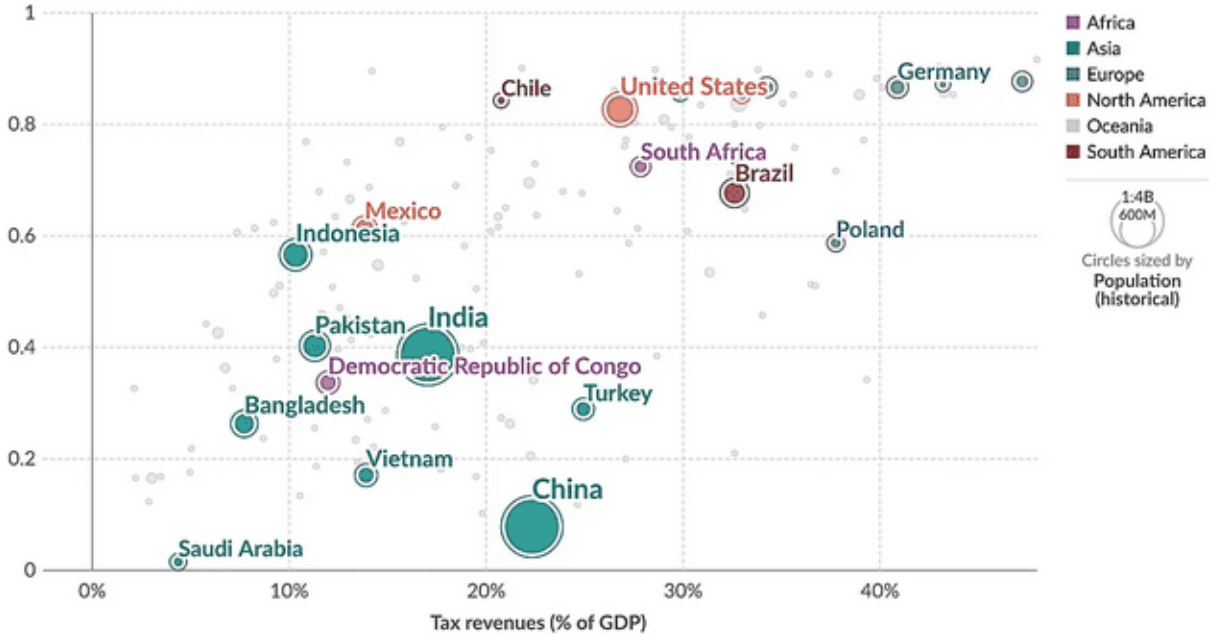
## लोकतंत्र अधिक कर वसूलते हैं

### Tax revenues vs. electoral democracy index, 2022

Our World  
in Data

Taxes include direct and indirect taxes as well as social contributions. Electoral democracy based on the expert estimates and index by V-Dem<sup>1</sup>, ranging from 0 to 1 (most democratic).

Electoral democracy index



Data source: V-Dem (2024); UNU-WIDER Government Revenue Dataset (2023)

OurWorldinData.org/democracy | CC BY

1. V-Dem: The Varieties of Democracy (V-Dem) project publishes data and research on democracy and human rights. It relies on evaluations by around 3,500 country experts and supplementary work by its own researchers to assess political institutions and the protection of rights. The project is managed by the V-Dem Institute, based at the University of Gothenburg in Sweden. Learn more: Democracy data: how do researchers measure democracy? The 'Varieties of Democracy' data: how do researchers measure democracy? The 'Varieties of Democracy' data: how do researchers measure human rights?

- उच्च लोकतंत्र रैंकिंग वाले देश अधिक कर राजस्व एकत्र करते हैं।
- कर संग्रहण दक्षता के मामले में भारत का प्रदर्शन बांग्लादेश से बेहतर है, लेकिन वह ब्राजील, अमेरिका और जर्मनी से पीछे है।
- **निहितार्थ:** जैसे-जैसे भारत का लोकतंत्र परिपक्व होता जाएगा, वैसे-वैसे कर संग्रह में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।

### क्या भारत पर अधिक कर लगाया जाता है या कम कर लगाया जाता है?

- भारत का कर राजस्व (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में) विकसित देशों की तुलना में कम है, जो उच्च कर संग्रह की संभावना का संकेत देता है।
- सरकार अपने व्यय के वित्तपोषण के लिए कर राजस्व (80%) पर बहुत अधिक निर्भर रहती है, जिससे वैकल्पिक राजस्व स्रोतों के बिना कर कटौती जोखिमपूर्ण हो जाती है।
- जैसे-जैसे भारत समृद्ध होता जाएगा, कर संग्रह स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा, जिससे करों में भारी वृद्धि या कटौती की आवश्यकता कम हो जाएगी।



### संभावित बजट रणनीतियाँ

- **संतुलित कर सुधार:** सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाए बिना मध्यम वर्ग के लोगों के लिए व्यक्तिगत आयकर का बोझ कम करना।
- **कर आधार को बढ़ाना:** अधिक लोगों को प्रत्यक्ष कर के दायरे में लाना, जिससे जीएसटी पर निर्भरता कम होगी।
- **कर दक्षता को बढ़ावा देना:** कर चोरी को कम करने और अनुपालन को बढ़ाने के लिए कर संग्रह प्रणालियों में सुधार करना।

स्रोत: [Indian Express: Taxes and the Citizens](#)

